

Signature and Name of Invigilator

Roll No. 

--	--	--	--	--	--	--	--

  
(In figures as per admission card)

1. (Signature) \_\_\_\_\_  
(Name) \_\_\_\_\_

2. (Signature) \_\_\_\_\_  
(Name) \_\_\_\_\_

Roll No. \_\_\_\_\_  
(In words)

Test Booklet No.

**D—0606**

**PAPER—III  
HISTORY**

**[Maximum Marks : 200**

**Time : 2½ hours]**

Number of Pages in this Booklet : 32

Number of Questions in this Booklet : 26

**Instructions for the Candidates**

1. Write your roll number in the space provided on the top of this page.
2. Answers to short answer/essay type questions are to be given in the space provided below each question or after the questions in the Test Booklet itself.  
**No Additional Sheets are to be used.**
3. At the commencement of examination, the question booklet will be given to you. In the first 5 minutes, you are requested to open the booklet and compulsorily examine it as below :
  - (i) To have access to the Test Booklet, tear off the paper seal on the edge of this cover page. Do not accept a booklet without sticker-seal and do not accept an open booklet.
  - (ii) **Tally the number of pages and number of questions in the booklet with the information printed on the cover page. Faulty booklets due to pages/questions missing or duplicate or not in serial order or any other discrepancy should be got replaced immediately by a correct booklet from the invigilator within the period of 5 minutes. Afterwards, neither the question booklet will be replaced nor any extra time will be given.**
4. Read instructions given inside carefully.
5. One page is attached for Rough Work at the end of the booklet before the Evaluation Sheet.
6. If you write your name or put any mark on any part of the Answer Sheet, except for the space allotted for the relevant entries, which may disclose your identity, you will render yourself liable to disqualification.
7. You have to return the Test booklet to the invigilators at the end of the examination compulsorily and must not carry it with you outside the Examination Hall.
8. **Use only Blue/Black Ball point pen.**
9. **Use of any calculator or log table etc. is prohibited.**
10. **There is NO negative marking.**

**परीक्षार्थियों के लिए निर्देश**

1. पहले पृष्ठ के ऊपर नियत स्थान पर अपना रोल नम्बर लिखिए।
2. लघु प्रश्न तथा निबंध प्रकार के प्रश्नों के उत्तर, प्रत्येक प्रश्न के नीचे या प्रश्नों के बाद में दिये हुये रिज्त स्थान पर ही लिखिये।  
**इसके लिए कोई अतिरिक्त कागज का उपयोग नहीं करना है।**
3. परीक्षा प्रारम्भ होने पर, प्रश्न-पुस्तिका आपको दे दी जायेगी। पहले पाँच मिनट आपको प्रश्न-पुस्तिका खोलने तथा उसकी निम्नलिखित जाँच के लिए दिये जायेंगे जिसकी जाँच आपको अवश्य करनी है :
  - (i) प्रश्न-पुस्तिका खोलने के लिए उसके कवर पेज पर लगी सील को फाड़ लें। खुली हुई या बिना स्टीकर-सील की पुस्तिका स्वीकार न करें।
  - (ii) **कवर पृष्ठ पर छपे निर्देशानुसार प्रश्न-पुस्तिका के पृष्ठ तथा प्रश्नों की संख्या को अच्छी तरह चैक कर लें कि ये पूरे हैं। दोषपूर्ण पुस्तिका जिनमें पृष्ठ / प्रश्न कम हों या दुबारा आ गये हों या सीरियल में न हों अर्थात् किसी भी प्रकार की त्रुटिपूर्ण पुस्तिका स्वीकार न करें तथा उसी समय उसे लौटाकर उसके स्थान पर दूसरी सही प्रश्न-पुस्तिका ले लें। इसके लिए आपको पाँच मिनट दिये जायेंगे। उसके बाद न तो आपकी प्रश्न-पुस्तिका वापस ली जायेगी और न ही आपको अतिरिक्त समय दिया जायेगा।**
4. अन्दर दिये गये निर्देशों को ध्यानपूर्वक पढ़ें।
5. उत्तर-पुस्तिका के अन्त में कच्चा काम (Rough Work) करने के लिए मूल्यांकन शीट से पहले एक पृष्ठ दिया हुआ है।
6. यदि आप उत्तर-पुस्तिका पर अपना नाम या ऐसा कोई भी निशान जिससे आपकी पहचान हो सके, किसी भी भाग पर दर्शाते या अंकित करते हैं तो परीक्षा के लिये अयोग्य घोषित कर दिये जायेंगे।
7. आपको परीक्षा समाप्त होने पर उत्तर-पुस्तिका निरीक्षक महोदय को लौटाना आवश्यक है और इसे परीक्षा समाप्ति के बाद अपने साथ परीक्षा भवन से बाहर न लेकर जायें।
8. **केवल नीले / काले बाल प्वाइंट पेन का ही इस्तेमाल करें।**
9. **किसी भी प्रकार का संगणक (कैलकुलेटर) या लाग टेबल आदि का प्रयोग वर्जित है।**
10. **गलत उत्तर के लिए अंक नहीं काटे जायेंगे।**

## HISTORY

इतिहास

PAPER—III

प्रश्न-पत्र—III

**NOTE:** This paper is of two hundred (200) marks containing four (4) sections. Candidates are required to attempt the questions contained in these sections according to the detailed instructions given therein.

**नोट :** यह प्रश्नपत्र दो सौ (200) अंकों का है एवं इसमें चार (4) खंड है। अर्ज्यर्थियों को इन में समाहित प्रश्नों का उज़र अलग दिये गये विस्तृत निर्देशों के अनुसार देना है।

## SECTION - I

### खण्ड—I

**Note :** Read the passage given below and answer the question numbers 1 to 5. Each answer should not be in more than 30 words. Each question carries 5 (Five) marks.

(5x5=25 marks)

**नोट :** निम्नलिखित गद्यांश को पढ़िए और प्रश्न संख्या (1) से (5) तक का उत्तर दीजिए। प्रत्येक उत्तर में (30) से अधिक शब्द नहीं हों। प्रत्येक प्रश्न के (5) (पाँच) अंक हैं।

(5x5=25 अंक)

Gandhi for the first time entered the Congress organization and immediately brought about a complete change in its constitution. He made it democratic and a mass organization. Democratic it had been previously also but it had so far been limited in franchise and restricted to the upper classes. Now the peasants rolled in and, in its new garb, it began to assume the look of a vast agrarian organization with a strong sprinkling of the middle classes. This agrarian character was to grow. Industrial workers also came in but as individuals and not in their separate organized capacity.

Action was to be the basis and, objective of this organization, action based on peaceful methods. Thus far the alternatives had been just talking and passing resolutions, or terroristic activity. Both of these were set aside and terrorism was especially condemned as opposed to the basic policy of the Congress. A new technique of action was evolved which, though perfectly peaceful, yet implied non-submission to what was considered wrong and, as a consequence, a willing acceptance of the pain and suffering involved in this. Gandhi was an odd kind of pacifist, for he was an activist full of dynamic energy. There was no submission in him to fate or anything that he considered evil, he was full of resistance, though this was peaceful and courteous.

The call of action was two-fold. There was, of course, the action involved in challenging and resisting foreign rule; there was also the action which led us to fight our own social evils. Apart from the fundamental objective of the Congress—the freedom of India—and the method of peaceful action, the principal planks of the Congress were national unity, which involved the solution of the minority problems, and the raising of the depressed classes and the ending of the curse of untouchability.

- Jawaharlal Nehru

**निम्नलिखित गद्यांश को पढ़िए और प्रश्न संख्या 1 से 5 तक प्रश्नों का उत्तर दीजिए।**

कांग्रेस में गाँधीजी पहली बार दाखिल हुए और फ़ौरन ही उस संस्था के संविधान में पूरी तरह तज्जदीली आई। उन्होंने कांग्रेस को एक लोकतंत्री और लोक संगठन बना दिया। वैसे तो पहले भी वह लोकतंत्री थी, लेकिन पहले उसके मतदाताओं का क्षेत्र संकुचित था और वह केवल बड़े लोगों तक ही सीमित थी। अब उसमें किसान भी आये और अपनी नई शज्जल में अब वह किसानों की एक बहुत बड़ी संस्था मालूम पड़ने लगी और उसमें मध्यम वर्ग के लोगों का, हालांकि उनकी तादाद थोड़ी थी, काफी ज़ोर था। कांग्रेस का यह खेतिहर-प्रधान स्वरूप बढ़नेवाला था। औद्योगिक मज़दूर भी उसमें आये, लेकिन सिर्फ़ अपनी व्यज्जितगत हैसियत में, न कि अपने पृथक और संगठित रूप में।

इस संस्था का मक़सद और उसकी बुनियाद थी सक्रियता। ऐसी सक्रियता, जिसकी बुनियाद शांतिपूर्ण ढंग पर थी, अबतक जो रवैया था, वह था सिर्फ़ बात करना और प्रस्ताव पास करना, या आतंकवादी काम करना। इन दोनों को ही अलग हटा दिया और आतंकवाद की तो ख़ासतौर से निंदा की गई, ज़्योकि वह तो कांग्रेस की बुनियादी नीति के खिलाफ़ था। काम करने का एक नया तरीका निकाला गया, जो वैसे तो बिलकुल शांतिपूर्ण था, लेकिन साथ ही उसमें जिस चीज़ को ग़लत समझा जाता था, उसके सामने सिर झुकाना मंज़ूर नहीं किया गया था। उसका नतीजा यह हुआ कि तरीके में जो तकलीफ़ और मुसीबतें थीं, उनको बरदाश्त करने की रज़ामंदी थी। गाँधीजी एक अजीब किस्म के शांत आदमी थे, ज़्योकि वह तो सक्रिय थे और उनमें गतिशील शज्जित भरी हुई थी। क्रिस्मत या जो-कुछ वह बुरा समझते थे, उसके सामने सिर झुकाने की भावना उनमें नहीं थी। उनमें मुकाबला करने की ताक़त भरी हुई थी। हां, उनका ढंग शांतिपूर्ण और मीठा था।

सक्रियता की पुकार दोहरी थी। ज़ाहिर है, विदेशी रज्ज्य को चुनौती देने और उसका मुकाबला करने की सक्रियता तो थी ही; साथ ही अपनी निजी सामाजिक कुरीतियों का मुकाबला करने की सक्रियता भी थी। कांग्रेस के बुनियादी मक़सद-हिंदुस्तान की आज़ादी-के अलावा और शांतिपूर्ण सक्रियता के साथ, कांग्रेस के ख़ास आधार था क्रौमी एकता, जिसमें अल्पसंज्ज्यकों के मसलों को हल करना शामिल था और दलित जातियों को ऊपर उठाकर छूत-छात के अभिशाप को ख़त्म करना।

- (जवाहरलाल नेहरु)

1. How Gandhi made social reforms an integral part of the political programme of the congress ?

गाँधी ने कैसे समाज सुधार को काँग्रेस के राजनैतिक कार्यक्रम का अभिन्न अंग बना दिया ?

2. How the line of action recommended by Gandhi differed from the actions of the other political groups ?

गाँधी द्वारा अनुशंसित कार्य पद्धति किस प्रकार अन्य राजनैतिक गुटों की कार्य पद्धति से भिन्न थी ?

3. What method of opposition Gandhi recommended for the masses against the colonial rulers ?

औपनिवेशिक शासकों के विरुद्ध गाँधी ने जनता से विरोध की किस पद्धति का अनुसरण करने को कहा ?

4. How the peasants became the core of Indian National Congress and came to dominate it ?

किस प्रकार किसान भारतीय राष्ट्रीय काँग्रेस के हृदय स्थली बने और संगठन पर उनका प्रभुत्व स्थापित हुआ ?







8. Discuss the position of women in the Sangam Literature.

संगम-साहित्य में नारियों की स्थिति का विवेचन कीजिए।

9. What was the main contribution of Aryabhata in the field of Science ?

विज्ञान के क्षेत्र में आर्यभट्ट का मुख्य योगदान क्या था ?

10. Indicate the major features of Persian Chronicles written in India in the XIII and XIV centuries.

तेरहवीं और चौदहवीं शताब्दी में भारत में फारसी भाषा में लिखे गए इतिहास ग्रंथों की मुख्य विशेषतायें इंगित करें।

11. What is the importance of Rehla of Ibn Battuta for writing the history of India in the XIV century.

इब्न बतूता की पुस्तक रेहला का महत्व चौदहवीं शताब्दी में भारत के इतिहास लेखन हेतु बताएं।

12. State the two prominent features of the Mansabdari system in the XVII century.

17 वीं शताब्दी में मनसबदारी प्रथा की दो प्रमुख विशेषतायें बताएं।

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

13. What are the two major reasons of Mughal-Sikh conflict in the time of Aurangzeb ?

औरंगजेब के काल में मुगल-सिख टकराव के दो प्रमुख कारण ज़्या थे ?

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

14. What do you think was Alauddin Khalji's primary aim in adopting the policy of market control.

आपके विचार में बाजार नियंत्रण की नीति अपनाने में अलाउद्दीन खलजी का प्राथमिक उद्देश्य क्या था ?

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

15. Write about the Maratha Confederacy.

मराठा महासंघ के बारे में लिखिए।

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

16. What was Ripon's Resolution of 1882 regarding the Local Self Government ?  
स्थानीय स्वायत्त शासन से संबंधित 1882 का रिपन प्रस्ताव क्या था ?

17. What were the objectives of Lord Curzon in the Partition of Bengal ?  
बंगाल का विभाजन करने में लार्ड कर्जन के उद्देश्य क्या थे ?

18. What were the main features of the Lucknow Pact of 1916 ?

1916 के लखनऊ पैक्ट की ज्या प्रमुख विशेषताएँ थी ?

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

19. What was the Wardha Scheme of Education ?

वर्धा शिक्षा परियोजना ज्या थी ?

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

20. Is objectivity possible in history writing ? Give one reason in support of your answer.  
ज्या इतिहास लेखन में वस्तुपरकता संभव है? अपने उज़र के पक्ष में एक कारण बतायें।

**SECTION - III**  
**खण्ड—III**

**Note :** This section contains five (5) questions from each of the electives / specialisations. The candidate has to choose only one elective / specialisation and answer all the five questions from it. Each question carries twelve (12) marks and is to be answered in about two hundred (200) words.  
**(12x5=60 marks)**

**नोट :** इस खंड में प्रत्येक ऐच्छिक इकाई/विशेषज्ञता से पाँच (5) प्रश्न हैं। अज्ञ्यर्थी को केवल एक ऐच्छिक इकाई/विशेषज्ञता को चुनकर उसी में से पाँचो प्रश्नों का उज़र देना है। प्रत्येक प्रश्न बारह (12) अंकों का है व उसका उज़र लगभग दो सौ (200) शब्दों में अपेक्षित है।  
**(12x5=60 अंक)**

**Elective - I**  
**विकल्प—I**

21. Discuss critically the beginning of agriculture in India.  
भारत में कृषि के प्रारम्भ की आलोचनात्मक विवेचना कीजिए।
22. Throw light on the emergence of second Urbanisation in India ?  
भारत में द्वितीय नगरीकरण के उद्भव पर प्रकाश डालिए।

23. How does Ashoka tackle the different religious systems through his Edicts ?  
अशोक ने अपने शिलालेखों के माध्यम से किस प्रकार विभिन्न धार्मिक पद्धतियों को सुलझाया है ?
24. Give an account of the part played by the Monasteries in the development of trade.  
व्यापार के विकास में विहारों की भूमिका का वर्णन कीजिए।
25. How far the philosophies of Sankara and Ramanuja differ in their concepts ?  
शंकर तथा रामानुज के दर्शन की अवधारणाओं में कहाँ तक अन्तर है ?

**OR / अथवा**

**Elective - II**

**विकल्प—II**

21. Indicate the importance of works of Gia-ud-din Barani for writing Indian History.  
भारतीय इतिहास के लेखन हेतु जियाउद्दीन बरनी के कृतियों के महत्व को इंगित करें।
22. Explain the causes of Mughal-Maratha conflict under Aurangzeb.  
औरंगजेब के काल में मुगल-मराठा संघर्ष के कारणों की व्याख्या करें।
23. Write a short essay on the position of women in Muslim Society under the Great Mughals.  
महान् मुगलों के अन्तर्गत मुस्लिम समाज में महिलाओं के स्थान पर संक्षिप्त लेख लिखें।
24. Describe India's maritime trade with southeast Asia in the seventeenth century.  
सत्रहवीं शताब्दी में भारत तथा दक्षिणपूर्व एशिया में मध्य सामुद्रिक व्यापार का वर्णन करें।
25. Discuss the architectural features of Fatehpur Sikri.  
फतेहपुर सीकरी की स्थापत्य-विषयक विशेषताओं की विवेचना कीजिए।

**OR / अथवा**

**Elective - III**

**विकल्प—III**

21. Discuss the main ideas of the Indian Economic Nationalism of the late 19th century.  
How far did the policies advocated by them differ from the current official policies of the Government.  
उन्नीसवीं शताब्दी के उज़्जरार्थ भारतीय-आर्थिक राष्ट्रवाद के प्रमुख विचार की समीक्षा कीजिए। उनके द्वारा प्रतिपादित नीतियां तत्कालीन शासकीय नीतियों से कहाँ तक भिन्न थीं ?
22. Give a critical appraisal of Dadabhai Naoroji's "drain of wealth" theory as a principal cause of our country's poverty and backwardness under British Rule.  
ब्रिटिश शासन के आधीन हमारे देश की निर्धनता एवं पिछड़ेपन के प्रमुख कारण दादा भाई नौरोजी के "धन-निर्गमन (निकास) के सिद्धान्त" का आलोचनात्मक मूल्यांकन कीजिए।



23. Trace the various phases through which Muslim Communalism passed from 1906 to 1940.

1906 से 1940 के मध्य मुस्लिम सज़्प्रदायवाद के विभिन्न चरणों की चर्चा कीजिए।

24. Critically examine the importance of Subsidiary Alliances.

सहायक संधियों के महत्व का आलोचनात्मक परीक्षण कीजिए।

25. What led to the Quit India Movement ? Do you think it was a correct step to take at the time ?

भारत छोड़ो आन्दोलन के ज़्या कारण थे ? ज़्या आप सोचते हैं कि वह उस समय पर उठाया गया सही क़दम था ?

















**SECTION - IV**

**खण्ड—IV**

**Note :** This section consists of one question of forty (40) marks to be answered in upto one thousand (1000) words.

**(40x1=40 marks)**

**नोट :** इस खंड में केवल एक प्रश्न चालीस (40) अंक का है जिसका उत्तर एक हजार (1000) शब्दों तक दीजिए।

**(40x1=40 अंक)**

**26.** Analyse the administrative system of the Mauryas ?

मौर्यों की शासन -व्यवस्था का विश्लेषण कीजिए।

**OR / अथवा**

Write an essay on economic life in Mughal India.

मुगल भारत में आर्थिक जीवन पर लेख लिखें।

**OR / अथवा**

Examine the main points of the long term plan presented by the Cabinet Mission. What were the responses of the congress and the Muslim League ?

कैबिनेट मिशन की दूरगामी योजना की मुख्य बातों का परीक्षण कीजिए। काँग्रेस और मुसलिम लीग की ज़्यादा प्रतिक्रियाएँ थीं ?













FOR OFFICE USE ONLY							
Marks Obtained							
Question Number	Marks Obtained	Question Number	Marks Obtained	Question Number	Marks Obtained	Question Number	Marks Obtained
1		26		51		76	
2		27		52		77	
3		28		53		78	
4		29		54		79	
5		30		55		80	
6		31		56		81	
7		32		57		82	
8		33		58		83	
9		34		59		84	
10		35		60		85	
11		36		61		86	
12		37		62		87	
13		38		63		88	
14		39		64		89	
15		40		65		90	
16		41		66		91	
17		42		67		92	
18		43		68		93	
19		44		69		94	
20		45		70		95	
21		46		71		96	
22		47		72		97	
23		48		73		98	
24		49		74		99	
25		50		75		100	

Total Marks Obtained (in words) .....

(in figures) .....

Signature & Name of the Coordinator .....

(Evaluation) Date .....